



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 425।

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 8, 2006/भाद्र 17, 1928

No. 425।

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 8, 2006/BHADRA 17, 1928

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 2006

सं. 95/2006-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 543(अ)।— अभिहित प्राधिकारी, चीन जनवादी गणराज्य और संयुक्त अरब अमीरात (सं0आ0आ0) (जिन्हें इसके पश्चात “संबद्ध देश” कहा गया है) में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यातित, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष सं0 6907 या 6908 के अंतर्गत आने वाले, विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइल्स (जिन्हें इसमें इसके पश्चात “संबद्ध माल” कहा गया है) के आयात के मामले में, अपने अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना सं0 37/1/2001-डीजीएडी तारीख 4 फरवरी, 2003 जो कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 1, खंड 1, तारीख 15 फरवरी, 2003 में प्रकाशित हुई, में इस निर्णय पर पहुंचे थे कि—

।।क। चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध माल का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम पर किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है;

।।ख। भारतीय उद्योग को तात्काल क्षति हुई थी;

।।ग। यह क्षति चीन जनवादी गणराज्य से हुए पाटित आयातों के कारण हुई थी; और

तदनुसार, अभिहित प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के मूल के, अथवा वहां से निर्यातित विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइल्स के सभी आयातों पर निश्चायत्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी;

और अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त अंतिम निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने, सा0का0नि0 376 (अ), तारीख 1 मई, 2003 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 1 मई, 2003 में प्रकाशित, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं0 73/2003-सीमाशुल्क, तारीख 1 मई, 2003 द्वारा विट्रीफाइड और पोर्सिलेन टाइलों पर, प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित किया था;

और जबकि मैसर्स इंटरप्राइज ट्रेडिंग एफ जेड.ई, यू.ए.इ. (निर्यातक) के जरिये हियूआन वैनफैंग सिरेमिक्स कं. लि. चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और फोशन ल्युगो सिरेमिक्स कं. लि. चीन जनवादी गणराज्य (निर्यातक) ने अपने निर्यातों के संदर्भ में सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम 1995 के नियम 22 के अंतर्गत समीक्षा का आग्रह किया था। और

अभिहित प्राधिकारी ने अपनी अधिसूचना सं0 15/19/2004-डीजीएडी, तारीख 25 अगस्त, 2004 जो कि भारत के राजपत्र असाधारण, भाग I, उपखंड (i) तारीख 25 अगस्त, 2004 में प्रकाशित की गई, के अंतर्गत यह सिफारिश की थी कि उत्पादक हियूआन वैनफैंग सिरेमिक्स कं. लि. चीन जनवादी गणराज्य के साथ निर्यातक फोशन ल्युंगो सिरेमिक्स कं. लि. चीन जनवादी गणराज्य के साथ निर्यातक मैसर्स इंटरप्राइज ट्रेडिंग एफ जेड ई, यू ए ई, के द्वारा निर्यात किए गए संबद्ध माल का अनंतिम मूल्यांकन किया जायेगा;

और अभिहित प्राधिकारी के उपरोक्त सिफारिश के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने अधिसूचना सं0 102/2004-सीमाशुल्क, तारीख 30 सितम्बर, 2004 द्वारा जो कि भारत के राजपत्र असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) सा0का0नि0 650 (अ) तारीख 30 सितम्बर, 2004 में प्रकाशित की गई, यह निर्देश दिया था कि उपरोक्त समीक्षा की समाप्ति तक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले संबद्ध माल जिसका निर्यात उत्पादक हियूआन वैनफैंग सिरेमिक्स कं. लि. चीन जनवादी गणराज्य के साथ निर्यातक फोशन ल्युंगो सिरेमिक्स कं. लि. चीन जनवादी गणराज्य के साथ निर्यातक मैसर्स इंटरप्राइज ट्रेडिंग एफ जेड ई, यू ए ई, द्वारा किया गया हो उसका भारत में आयात होने पर अनंतिम मूल्यांकन किया जायेगा;

और अभिहित प्राधिकारी ने उपरोक्त समीक्षा सं0 15/19/2004-डीजीएडी तारीख 14 अगस्त, 2006 जो कि भारत के राजपत्र असाधारण, भाग I, उपखंड (i) तारीख 14 अगस्त, 2006 में प्रकाशित की गई में अपने अंतिम निर्का में इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि निर्यातक मैसर्स इंटरप्राइज ट्रेडिंग एफ जेड ई, यू ए ई, के साथ निर्यातक फोशन ल्युंगो सिरेमिक्स कं. लि. चीन जनवादी गणराज्य तथा उत्पादक हियूआन वैनफैंग सिरेमिक्स कं. लि. चीन जनवादी गणराज्य द्वारा संबद्ध माल का भारत में निर्यात उनकी सामान्य मूल्य से अधिक पर किया गया है और अभिहित प्राधिकारी ने मैसर्स इंटरप्राइज ट्रेडिंग एफ जेड ई, यू ए ई, चीन जनवादी गणराज्य के साथ उत्पादक मै0 हियूआन वैनफैंग सिरेमिक्स कं. लि. चीन जनवादी गणराज्य और फोशन ल्युंगो सिरेमिक्स कं. लि. चीन जनवादी गणराज्य द्वारा निर्यातित संबद्ध माल पर कोई प्रतिपाठन शुल्क नहीं लगाने की सिफारिश की है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (1) और (5) के साथ पठित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाठित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 18, 20 और 22 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अभिहित प्राधिकारी के उपरोक्त अंतिम निष्कर्ष के आधार पर अधिसूचना सं0 73/2003-सीमाशुल्क तारीख 1 मई, 2003, भारत के राजपत्र असाधारण, भाग 3, उपखंड (i) सा0का0नि0 376 (अ) तारीख 1 मई, 2003, में संशोधन करती है, अर्थातः-

उपरोक्त अधिसूचना सं0 में, “स्पष्टीकरण” से पहले तथा द्वितीय परंतुक के बाद, निम्नलिखित परंतुक रखा जाये, अर्थातः-

“परंतु मैसर्स इंटरप्राइज ट्रेडिंग एफ जेड ई, यू ए ई, चीन जनवादी गणराज्य द्वारा निर्यातित और उत्पादक मै0 हियूआन वैनफैंग सिरेमिक्स कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य और फोशन ल्युंगो सिरेमिक्स कं. लि. चीन जनवादी गणराज्य द्वारा निर्यात किए गए सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले, संबद्ध माल पर कोई पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं किया जायेगा ”

2. इस अधिसूचना के अधीन किया गया संशोधन अनंतिम निर्धारण प्रभावी होने की तारीख अर्थात 30 सितम्बर, 2004 से प्रभावी होगा ।

[फा. सं. 354/214/2001-टीआरयू (भाग-1)]
एस. बजाज, अवर सचिव

टिप्पण :- मूल अधिसूचना सं0 73/2003-सीमाशुल्क तारीख 1 मई, 2003, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), में सा0का0नि0 376 (अ), तारीख 1 मई, 2003 द्वारा प्रकाशित हुई थी और इसका अंतिम संशोधन अधिसूचना सं0 6/2006-सीमाशुल्क, तारीख 13 फरवरी, 2006 [सा0का0नि0 61 (अ) तारीख 13 फरवरी, 2006] द्वारा किया गया था ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th September, 2006

No. 95/2006-Customs

G.S.R. 543(E).—Whereas in the matter of import of vitrified and porcelain tiles, other than vitrified industrial tiles (hereinafter referred to as “the subject goods”), falling under headings 6907 or 6908 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in, or exported from the People’s Republic of China and United Arab Emirates (U.A.E.) (hereinafter referred to as “the subject countries”), and imported into India, the designated authority in its final findings No. 37/1/2001-DGAD, dated the 4th February, 2003, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 5th February, 2003, had come to the conclusion that—

- (a) the subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value resulting in dumping;
- (b) the Indian industry had suffered material injury;
- (c) the injury had been caused cumulatively by the imports from the subject countries;

and had recommended the imposition of definitive anti-dumping duty, on all imports of vitrified and porcelain tiles from the subject countries in order to remove the injury to the domestic industry;

And whereas on the basis of the aforesaid final findings of the designated authority, the Central Government had imposed final anti-dumping duty *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 73/2003-Customs, dated the 1st May, 2003, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 1st May, 2003 [G.S.R. 376(E), dated the 1st May, 2003];

And whereas on the basis of a request made by M/s Heyuan Wanfeng Ceramics Co. Ltd., People’s Republic of China, producer with M/s Foshan Lungo Ceramics Co. Ltd., People’s Republic of China as exporter through M/s Enterprise Trading FZE, U.A.E. as exporter, for review in terms of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 in respect of exports made by them, the designated authority, *vide* new shipper review notification No. 15/19/2004-DGAD dated 25th August 2004, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 25th August 2004, had recommended provisional assessment of all exports of the subject goods made by the said M/s Heyuan Wanfeng Ceramics Co. Ltd., People’s Republic of China, and exported by M/s Foshan Lungo Ceramics Co. Ltd., People’s Republic of China through the exporter, M/s Enterprise Trading FZE, United Arab Emirates, till the completion of the review by the designated authority;

And whereas on the basis of aforesaid recommendation of the designated authority, the Central Government had ordered, *vide* notification No. 102/2004-Customs dated 30th September 2004, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 30th September 2004 [G.S.R. 650(E), dated the 30th September 2004] that, pending the outcome of the said review by the designated authority, the subject goods, produced by M/s Heyuan Wanfeng Ceramics Co. Ltd., People’s Republic of China and exported by M/s Foshan Lungo Ceramics Co. Ltd., People’s Republic of China through the exporter, M/s Enterprise Trading FZE, United Arab Emirates when imported into India, shall be subjected to provisional assessment till the review is completed;

And whereas the designated authority, *vide* its final findings, No. 15/19/2004-DGAD, dated the 14th August, 2006, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 14th August, 2006, has come to the conclusion that export price of vitrified and porcelain tiles exported to India produced by M/s Heyuan Wanfeng Ceramics Co. Ltd., People’s Republic of China and exported by M/s Foshan Lungo Ceramics Co. Ltd., People’s Republic of China through the exporter, M/s Enterprise Trading FZE, United Arab Emirates is above its normal value during the period of investigation and recommended that no anti dumping duty be imposed on the subject goods produced by M/s Heyuan Wanfeng Ceramics Co. Ltd., People’s Republic of China and exported by M/s Foshan Lungo Ceramics Co. Ltd., People’s Republic of China through the exporter, M/s Enterprise Trading FZE, United Arab Emirates.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (5) of section 9A of the said Customs Tariff Act, read with rules 18, 20 and 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, on the basis of the aforesaid final findings of the designated authority, hereby makes the following further amendments in the notification No. 73/2003-Customs, dated the 1st May, 2003, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (i) *vide* number G.S.R. 376(E), dated the 1st May, 2003, namely:-

In the said notification, after the second proviso and before the *Explanation*, the following proviso shall be inserted, namely:-

“Provided further that no anti-dumping duty shall be imposed on the imports into India of subject goods falling under chapter 69 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act, produced by M/s Heyuan Wanfeng Ceramics Co. Ltd., People’s Republic of China and exported by M/s Foshan Lungo Ceramics Co. Ltd., People’s Republic of China through the exporter, M/s Enterprise Trading FZE, United Arab Emirates.”.

2. The amendments under this notification shall be effective from the date of issue of the notification ordering provisional assessment, that is, the 30th September 2004.

[F. No. 354/214/2001-TRU (Part-I)]
S. BAJAJ, Under Secy.

Note:— The principal notification No. 73/2003-Customs, dated the 1st May, 2003, was published in the Gazette of India *vide* number G.S.R. 376(E), dated the 1st May, 2003 and last amended *vide* notification No. 6/2006-Customs dated the 13th February, 2006, published *vide* number G.S.R. 61(E), dated the 13th February, 2006.

अधिसूचना
नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 2006
सं. 96/2006-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 544(अ).— केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वरतुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाठन शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 18, 20 और 22 और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की धारा 9क की उपधारा (5) के साथ पठित उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 30 सितम्बर, 2004 (साठकाठनि 650 (अ), तारीख 30 सितम्बर, 2004 में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं 102/2004-सीमाशुल्क, तारीख 30 सितम्बर, 2004 को उन बातों के सिवाय जो ऐसे विखंडन से पूर्व की गई है या जिन्हें करने का लोप किया गया है, विखंडित करती है।

[फा. सं. 354/214/2001-टीआरयू (भाग-1)]
एस. बजाज, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th September, 2006

No. 96/2006-Customs

G.S.R. 544(E).— In exercise of powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (5) of section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), read with rules 18, 20 and 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.102/2004-Customs, dated the 30th September 2004, published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R.650 (E), dated the 30th September 2004, except as respects things done or omitted to be done before such rescission.

[F. No. 354/214/2001-TRU (Part-I)]

S. BAJAJ, Under Secy.

2798 (II) 06-2